

डॉ. के. श्रीनिवासराव  
सचिव  
Dr. K. Sreenivasarao  
Secretary

साहित्य अकादेमी  
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)  
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था  
**Sahitya Akademi**  
(National Academy of Letters)  
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



प्रेस विज्ञापित

12 मार्च से 14 मार्च तक होगा साहित्य अकादेमी का साहित्योत्सव (फेस्टिवल ऑफ लेटर्स) 2021  
अनुवाद पुरस्कार अर्पण समारोह की मुख्य अतिथि होंगी प्रख्यात हिंदी कथाकार चित्रा मुद्गल  
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी देंगे संवत्सर व्याख्यान

नई दिल्ली। 9 मार्च 2021; साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला साहित्योत्सव इस वर्ष 12-14 मार्च 2021 के बीच आयोजित किया जा रहा है। उत्सव का आरंभ अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित करनेवाली प्रदर्शनी से होगा। साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार 12 मार्च 2021 को पूर्वाह्न 10.00 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन रवींद्र भवन, नई दिल्ली में करेंगे।

12 मार्च 2021 को ही सायं 6.00 बजे, अकादेमी सभागार में **संवत्सर व्याख्यान** होगा जिसे प्रख्यात कवि, समालोचक और साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी देंगे। उनके संवत्सर व्याख्यान का शीर्षक है – **कविता और सर्जनात्मक साहित्य का स्व भाव।**

24 भारतीय भाषाओं में दिए जाने वाला प्रतिष्ठित **साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कार 2019**, 13 मार्च 2021 को सायं 5.00 बजे कॉपरनिकस मार्ग स्थित कमानी सभागार में प्रदान किए जाएंगे। समारोह की मुख्य अतिथि प्रख्यात हिंदी कथाकार **चित्रा मुद्गल** होंगी। इससे पहले सायं 3.30 बजे विशेष जलपान की व्यवस्था रवींद्र भवन परिसर में की गई है।

दिनांक 14 मार्च 2021 को पूर्वाह्न 10.30 बजे **अनुवादक सम्मेलन** प्रथम तल स्थित साहित्य अकादेमी सभागार, रवींद्र भवन में किया जाएगा, जिसमें पुरस्कृत अनुवादक अपने रचनात्मक अनुभवों को साझा करेंगे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते इस बार का साहित्योत्सव बहुत सीमित रूप में मनाया जा रहा है।

साहित्य अकादेमी बुक शॉप, प्रथम तल पर अकादेमी की पुस्तकों की बिक्री पूर्वाह्न 10.00 बजे से सायं 7 बजे तक प्रतिदिन होगी और पुस्तकें बिक्री के लिए 20 प्रतिशत की विशेष छूट पर उपलब्ध होंगी।

(के. श्रीनिवासराव)